This question paper contains 2 printed pages. **May-June, 2024**

Roll No.	**:**	
Unique Paper Code	**:**	**121301201**
Title of the Paper	**:**	**दर्शन: न्याय एवं वेदान्त** **Darśana: Nyāya & Vedānta)**
Type	**:**	**CC**
Name of the Course	**:**	**M.A., Sanskrit, LOCF**
Semester	**:**	**II**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper
(इस प्रश्नप्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाँक लिखिए ।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. निम्नलिखित की **ससन्दर्भ व्याख्या** कीजिए : **7x4=28**
Explain the following **with reference to the context**:

(क) तत्र कार्यगतं परिमाणं संख्या-परिमाण-प्रचय-योनि ।

अथवा / OR

द्विविधायाः पृथिव्या रूप-रस-गन्ध-स्पर्शा अनित्याः पाकजाश्च ।

(ख) योग्यता गुणाश्रयत्वाच्च । योग्यता च गुणानामत्यन्ताभावाभावः ।

अथवा / OR

यत्तु, अनिधगतार्थगन्तृ प्रमाणमिति लक्षणम्, तन्न ।

(ग) सामानाधिकरण्यं च विशेषणविशेष्यता । लक्ष्यलक्षणसम्बन्धः पदार्थप्रत्यगात्मनाम् ।।

अथवा / OR

अस्याज्ञानस्यावरणविक्षेपनामकमस्ति शक्तिद्वयम् ।

(घ) द्विधा विभज्य चैकेकं चतुर्धा प्रथमं पुनः ।
स्वस्वेतरद्वितीयांशैर्योजनात् पञ्च पञ्च ते ॥

अथवा / OR

"लये सम्बोधयेच्चित्तं विक्षिप्तं शमयेत् पुनः । सकषायं विजानीयाच्छमप्राप्तं न चालयेत् ॥
नास्वादयेद्रसं तत्र निस्सङ्गः प्रज्ञया भवेत् ।" इति ॥

2. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए जिसमें से एक **संस्कृत** में हो: **5+5+5+7=22**

Write notes on the following in which **one** should be in **Sanskrit**:

(क) विशेषण-विशेष्यभावसन्निकर्ष	**अथवा/OR**	अवान्तर व्यापार
(ख) ज्ञातता सिद्धान्त	**अथवा/OR**	कार्यद्रव्यों का उत्पत्तिविनाशक्रम
(ग) अधिकारी	**अथवा/OR**	ईश्वरकी अभिन्ननिमित्तोपादानकारणता
(घ) श्रवण	**अथवा/OR**	अपवाद का लक्षण एवं प्रक्रिया

3. (क) तर्कभाषा के अनुसार 'द्रव्य-निरूपण' कीजिए । **10x2=20**

Discuss 'dravya (substances)' according to Tarkbhaśā.

अथवा/ OR

केशव मिश्र के अनुसार 'प्रमाण-लक्षण' का विवेचन करते हुए कारणत्रय को समझाइये ।

Explain three types of causes while discussing the definition of pramāńa (process of knowing) according to Keśava Mişra.

(ख) वेदान्तसार के अनुसार अध्यारोप का लक्षण देते हुए आत्मविषयक विशेष अध्यारोप और उनके परस्पर खण्डन का वर्णन कीजिए ।

Discuss particular super-impositions related to self and their mutual contradictions while giving the definition of super-imposition according to Vedāntsāra.

अथवा / OR

वेदान्तसार के अनुसार 'यन्मनसा न मनुते' तथा 'मनसैवानुद्रष्टव्यम्' इन श्रुतियों के विरोध के निराकरण का विवेचन कीजिए ।

Discuss the resolution of the contradiction between the śruti's 'यन्मनसा न मनुते' & 'मनसैवानुद्रष्टव्यम्'according to Vedāntsāra.